NALANDA OPEN UNIVERSITY

Assignment Questions (Session 2016-18 & UR)
[for Second Examination, 2019]
BACHELOR OF EDUCATION (B.ED.), PART-I

सत्रीय कार्य जमा करने की विधि

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए, निर्धारित प्रोग्राम्स में, सत्रीय कार्य जमा करना आवश्यक है । इसके लिये प्रत्येक पत्र में सम्बन्धित विद्यार्थी को तीन प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों के)** दिये गये हैं, जिनमें से दो प्रश्नों **(कुल 20 अंक)** का उत्तर अपने हस्तलिपि में विश्वविद्यालय द्वारा दी हुई सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका में लिखना है । विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे प्रत्येक पत्र के लिये दिये गये, निर्देश के अनुसार, स्वअध्ययन, स्वविवेक और अपनी प्रतिभा के अनुसार दो प्रश्नों का उत्तर अपने हस्तलिपि में लिखें । यह कार्य उन्हें अपने घर में रहकर करना है । किसी भी पुस्तक या नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी पाठ्यसामग्री से **नकल करने पर उनकी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा । साथ ही, नियमानुसार, विश्वविद्यालय उनके विरूद्ध अलग से भी सख्त कार्यवाही कर सकेगा ।** विद्यार्थियों से अनुरोध है कि सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका तथा उसके लिफाफा पर वे अपना नाम, अनुक्रमांक तथा पत्र संख्या अवश्य लिखें । नामाकंन संख्या (अनुक्रमांक) गलत होने पर सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा । प्रत्येक पत्र के सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिफाफों में डालकर सील कर दें और सील बन्द लिफाफा को वे सम्बन्धित पत्र की लिखित परीक्षा के दिन अपने साथ परीक्षा केन्द्र पर लेते आयें, अर्थात, जिस दिन प्रथम पत्र की लिखित परीक्षा हो, उस दिन वे प्रथम पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का सील्ड लिफाफा अपने साथ परीक्षा हॉल में ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें । इसी प्रकार, जिस दिन द्वितीय पत्र की लिखित परीक्षा हो, उसी दिन द्वितीय पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका का सील्ड लिफाफा ले आयें । तदनुसार, अन्य पत्रों की लिखित परीक्षा के दिन, उन पत्रों से सम्बन्धित सील्ड लिफाफा अपने साथ ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें । प्रत्येक दिन परीक्षा से सम्बन्धित वीक्षकगण आपके सीट से आपका सील्ड लिफाफा संग्रह कर लेंगे और उपस्थित पंजी पर आपका हस्ताक्षर ले लेंगे, जो इस बात का प्रमाण होगा कि आपने पत्र के लिए अपना सत्रीय कार्य जमा कर दिया है । सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका को किसी भी हालात में डाक अथवा कुरियर से नहीं भेजें क्योंकि विश्वविद्यालय इसको स्वीकार नहीं करेगा । किसी भी पत्र में Theory Paper की परीक्षा समाप्त हो जाने के बाद, उस पत्र से सम्बन्धित सत्रीय–कार्य पुस्तिका स्वीकार नहीं की जायेगी ।

Methods of Submission of Assignment

Each student shall be required to submit two assignments of 20 marks in each theory paper of all programmes where no practical/project work is prescribed. For this purpose, the University administration will set out and provide to each student three different topics in each theory paper; out of which he/she will be required to write out and submit assignment work only on two topics of his her choice in the answer book provided to him/her for this purpose by the University. Both the assignments, each carrying equal marks, shall be evaluated for the purpose of examination. It is again emphasized that writing of two assignment in each theory paper, where no practical/project work is prescribed, is compulsory and unless it is done and assignment copy submitted to the University on the date of the examination of the theory portion of the concerned paper, the study requirement of the student will not be taken to have been completed and he/she will be declared to have failed. Besides, it has, now, been decided by the University to club the marks obtained by a student in his/her assignment work/project work with the marks obtained by him/her in the written examination of that paper to determine his/her pass percentage in the concerned paper. Hence, it is in student's interest that he/she submits the assignment work in time. Students are also advised to prepare their assignments very carefully and meticulously. They must write assignment in their own handwriting. Assignment answers should not be copied from the learning material supplied by the University or from any other source. Assignments must be submitted in the answer books provided to the students by the University for this purpose. In no case, assignment written assignment written in private copy will be accepted by the University. In case of loss of assignment copy, fresh assignment copy may be procured from the University on payment of Rs. 100.00 by bank draft. Similarly, Project-Work, wherever prescribed, must also be submitted by the fixed date, failing which the student will be deemed to have failed in the concerned subject.

ASSIGNMENT QUESTIONS

Paper-I

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. What is meant by Non-formal Education ? Discuss its agencies.
   निरौपचारिक शिक्षा का क्या अभिप्राय है ? इन शिक्षा के साधनों की विवेचना कीजिए ।
2. Philosophy plays an important role in determining the nature of Education. How ?
   किसी भी शिक्षा की प्रकृति निर्धारण करने में दर्शन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है । कैसे ?
3. Examine Rabindra Nath Tagore's philosophy of education and its influence on Indian Education.
   टैगोर के शिक्षा दर्शन तथा भारतीय शिक्षा पर इसके प्रभाव की विवेचना कीजिए ।

Paper-II

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. What is the role of a teacher in socio-emotional development of students ?
   छात्र के सामाजिक–संवेगात्मक विकास में शिक्षक की क्या भूमिका है ?
2. Define adolescence. Describe the social characteristics during early and late adolescence.
   किशोरावस्था को परिभाषित कीजिए । आरम्भिक एवं उत्तर किशोरावस्था के सामाजिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
3. Describe the stages of social development of children.
   बच्चों के सामाजिक विकास की अवस्थाओं का वर्णन कीजिए ।

Paper-III

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. Define Learning. Describe the laws of learning.
   अधिगम को परिभाषित कीजिए । अधिगम के नियम का वर्णन कीजिए ।
2. Describe Pavlov's classical condition theory.
   पैवलव के क्लासिकी अनुकूलन सिद्धान्त का वर्णन कीजिए ।
3. Describe Piaget's theory of cognitive development.
   प्याजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए ।

Paper-IV

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. Define Curriculum. Differentiate between curriculum and syllabus.
   पाठ्यचर्या को परिभाषित कीजिए । पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम का अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
2. What are the principles of curriculum development ?
   पाठ्यचर्या विकास के कौन–कौन से सिद्धान्त हैं ?
3. What is the use of evaluation feedback ?
   मूल्यांकन प्रतिपुष्टि का क्या उपयोग है ?

Paper-V

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. Define Vocational Guidance. Describe the need of vocational guidance at secondary & higher secondary stage.
   व्यावसायिक निर्देशन को परिभाषित कीजिए । माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक निर्देशन की आवश्यकता का वर्णन कीजिए ।
2. Describe the recommendation of Mudaliar commission & Kothari Commission regarding guidance.
   निर्देशन के संदर्भ में मुदालियर आयोग तथा कोठारी आयोग की संस्तुतियों का वर्णन कीजिए ।
3. Describe the role of teacher and parents in career development of girls.
   बालिकाओं के वृत्तिक विकास में अध्यापकों तथा अभिभावकों की भूमिका का वर्णन कीजिए ।

Paper-VI

(पाठ्यचर्या और शैक्षणिक अध्ययन के अन्तर्गत (Curriculum and Pedagogic Studies) के अन्तर्गत बी०एड० पाठ्यक्रम के प्रामि वर्ष में सभी विद्यार्थियों को नीचे दिये गये भाषा एवं स्कूल विषय के अध्यापन से सम्बन्धित पत्रों में से किसी एक पत्र का चयन करना है ।)

(Hindi Language)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. भाषा किसे कहते हैं ? भाषा का मानव जीवन में क्या महत्व है ?
2. श्रुत लिपि या श्रुत लेख क्या है ? प्राथमिक स्तर पर श्रुत लेख के सोपानों का वर्णन कीजिए ।
3. व्याकरण शिक्षण से आप क्या समझते हैं ? व्याकरण शिक्षण के कौन–कौन से प्रकार होते हैं ?

या (Or)

(Sanskrit Language)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है । सिद्ध कीजिए ।
2. कारक कितने हैं ? कारक एवं विभक्ति का व्याकरण में क्या स्थान है ?
3. गद्य शिक्षण एवं पद्य शिक्षण के उद्देश्यों को लिखिए ।

या (Or)

(English Language)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. What is the place of English language in school curriculum ?
2. What is the method of teaching spelling ?
3. Describe direct and indirect speech with examples.

या (Or)

(Mathematics Language)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. Discuss meaning, nature and scope of mathematics.
   गणित का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र की विवेचना कीजिए ।
2. Explain the development of Indian Mathematics according to time division.
   भारतीय गणित का कालखण्ड के अनुसार विकास की चर्चा कीजिए ।
3. Write an essay on correlation in Mathematics.
   गणित में सह–सम्बन्ध विषय पर एक निबन्ध लिखिए ।

या (Or)

(Urdu Language)

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

۱۔ زبان کی تعریف کرتے ہوئے اس کے اقسام بیان کیجئے۔

۲۔ ثانوی سطح پر اردو کی تدریس کے طریقۂ کار اور مقاصد واضح کیجئے۔

۳۔ تحریر کی تعریف پیش کیجئے اور اس کی اہمیت پر روشنی ڈالئے۔

Paper-VII

Answer Any Two Questions. (सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं ।)

1. Describe the meaning and purpose of Evaluation.
   मूल्यांकन के अर्थ तथा प्रयोजन का वर्णन कीजिए ।
2. Discuss the various characteristics of a good test.
   एक अच्छे परीक्षण के विभिन्न विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।
3. Discuss the different types of techniques of Evaluation.
   मूल्यांकन के विभिन्न तकनीकों की विवेचना कीजिए ।

Paper-VIII-A

(Practical Work)

Paper-VIII-B

(Practical Work)

Paper-IX

(School Internship)